९

सुनें कहानी

आलू की सड़क

एक भालू था। उसे नानी के घर दूर जाना था। रास्ते में खाने के लिए भालू ने बोरा-भर आलू पीठ पर रख लिए।

पर बोरे में तो छेद था।
भालू आगे बढ़ता
जाता— धप्प, धप्प, धप्प।
बोरे से आलू टपकते
जाते— टप्प, टप्प, टप्प।

2024-25

रास्ते में पीपल के पेड़ पर एक बंदर बैठा था।
उसने भालू से पूछा,
"कहाँ जा रहे हो, भैया"?
लेकिन उत्तर में बंदर ने बस धप्प, टप्प,
धप्प, टप्प, धप्प, टप्प ही सुना।

उसने पेड़ से नीचे देखा। रास्ते में आलू पड़े हुए थे।
यह देखकर बंदर मन-ही-मन बोला– भालू चाहे
न बताए, पर मैं पता लगा सकता हूँ।
वह खुश होकर पेड़ से नीचे उतरा।

– चंदन यादव

शिक्षण-संकेत – बच्चों को इस कहानी को अपनी भाषा में सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें। बच्चे 'भालू', 'बंदर', 'नानी' आदि से जुड़ी अन्य कहानी या कविता भी सुना सकते हैं।

2024-25

बातचीत के लिए

1. बंदर ने कैसे पता लगाया होगा कि भालू कहाँ जा रहा है?
2. भालू ने बंदर को कोई उत्तर क्यों नहीं दिया होगा?
3. यदि रास्ते में पानी होता, तब धप्प की जगह क्या आवाज़ आती?
4. अगर बोरे में छेद नहीं होता, तो कहानी में आगे क्या होता? अपनी कहानी सुनाइए।

आवाज़ें तरह-तरह की

हमें आस-पास कई प्रकार की आवाज़ें सुनाई देती हैं,

जैसे –
- घंटी बजने पर ‘टन-टन’
- बादल गरजने पर ‘घड़-घड़’
- पानी टपकने पर ‘टप-टप’

बताइए, इन वस्तुओं की आवाज़ें कैसी होती हैं –

- पानी में चलना

- सूखे पत्तों पर चलना

- गुब्बारा फूटना

- बर्तनों का गिरना

- बारिश की बूँदों का गिरना

- माँ का पुकारना

शिक्षण-संकेत – बच्चे जो भी उत्तर दें, उन्हें स्वीकार करें। आस-पास की अन्य आवाज़ों के बारे में भी चर्चा करें।

© NCERT not to be republished

सही उत्तर चुनकर लिखिए –

1. बंदर कौन-से पेड़ पर बैठा था? .... (पीपल / बेर)
2. भालू कहाँ जा रहा था? .... (नानी के घर / दादी के घर)
3. भालू ने बोरे में क्या रखा था? .... (आलू / मूली)

नीचे दिए गए चित्रों को वाक्यों के साथ जोड़िए –

भालू ने बोरा-भर आलू पीठ पर रख लिए। •

पीपल के पेड़ पर बंदर बैठा था। •

रास्ते में आलू पड़े हुए थे। •

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – बच्चों को उँगली रखकर वाक्य पढ़कर सुनाएँ। बच्चों को अपनी भाषा में इन बातों और 'भालू', 'बोरा', 'आलू', 'पेड़', 'बंदर', 'पीठ' आदि शब्दों के नाम बताने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दों का खेल

1. 'ब' से शुरू होने वाले शब्दों को पहचानिए, अनुमान लगाकर पढ़िए और लिखिए –

जलेबी
....

डमरू
....

तारा
....

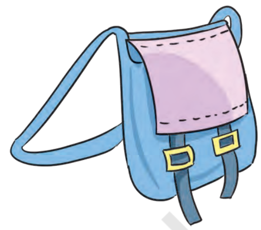
बस्ता
....

2. नीचे दिए गए चित्रों के नाम सुनिए –

उल्लू

कुरता

सुराही

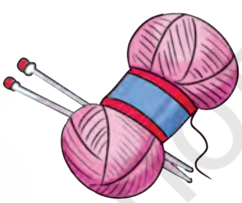
ऊन

फूल

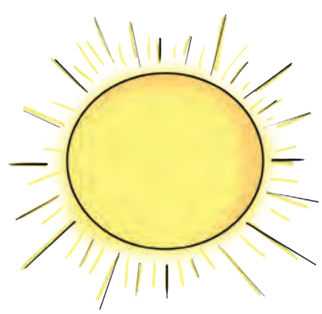
सूरज

बताइए, इन नामों की पहली ध्वनि में क्या अंतर है?

© NCERT not to be republished

3. **नीचे दिए चित्रों के नाम बताइए और लिखिए –**

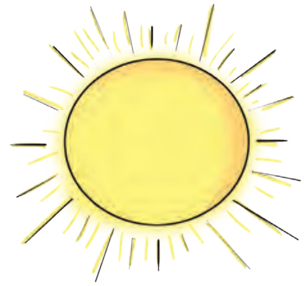

भालू   सड़क   टमाटर   सूरज

4. **'भालू' शब्द में 'भा' और 'लू' अक्षर जुड़े हुए हैं। यदि 'भा' की जगह 'का', 'ला', 'ता', 'बा', 'शा' जोड़ें, तो क्या शब्द बनेगा? इन्हें लिखिए और पढ़कर सुनाइए –**

का .... कालू

ला ....

ता ....

बा ....

शा ....

5. **सबसे बड़े पत्ते में हरा रंग भरिए –**

शिक्षण-संकेत – 'उल्लू', 'कुरता', 'बगुला', 'ऊन', 'फूल', 'सूरज', 'उल्टा', 'तरबूज' आदि शब्दों की सहायता से बच्चों को 'उ' और 'ऊ' की ध्वनि, आकृति और इनकी मात्राओं (ु एवं ू) से परिचित कराएँ। 'लू' से बनने वाले अन्य शब्द भी पूछें।

© NCERT not to be republished

10

आनंदमयी कविता

झूलम-झूली

माटी-माटी खेलें,
आओ, पानी-पानी खेलें;
धरती में बीजों को बोएँ,
खेल किसानी खेलें।
छुप्पम-छुप्पी खेलें,
आओ, झूलम-झूली खेलें;
चढ़ें पेड़ पर पकड़म-पकड़ी,
कूदम-कूदी खेलें।

– *श्याम सुशील*

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. बच्चे क्या-क्या कर रहे हैं?
2. आपको कौन-कौन से खेल पसंद हैं?
3. माटी-माटी खेल कैसे खेला जाता होगा?

शब्दों का खेल

1. शब्दों का दूसरा साथी खोजकर बताइए, लिखिए और पढ़कर सुनाइए –

छुप्पम – .... छुप्पी ....   झूलम – ....

पकड़म – ....   कूदम – ....

2. नीचे दिए गए शब्दों के नाम सुनिए –

झूला   छुप्पम   खेल   झंडा   खेत   छतरी

बताइए, इन नामों की पहली ध्वनि में क्या अंतर है?

3. नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए। अब इनमें 'उ' (ु) या 'ऊ'(ू) की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाइए और लिखिए –

फल – ....   पल – ....   परी – ....   सराही – ....

> **शिक्षण-संकेत** – 'झूला', 'छुप्पम', 'खेल', 'झंडा', 'खेत', 'छतरी' आदि एवं अन्य शब्दों की सहायता से बच्चों को 'झ', 'छ', 'ख' की ध्वनियों एवं आकृतियों (अक्षरों) से परिचित कराएँ तथा इनसे बनने वाले अन्य शब्द भी पूछें। बच्चों से पूछें कि उनकी भाषा में इन्हें क्या कहते हैं।

© NCERT not to be republished

पढ़िए और मिलाइए

चढ़ें पेड़ पर पकड़म-पकड़ी

आओ झूलम-झूली खेलें

छुपन-छुपाई खेलें

धरती में बीजों को बोएँ

© NCERT not to be republished

खेल-खेल में

कक्षा के अपने साथियों के साथ मिलकर कविता में दिए गए खेल खेलिए। खेल का चित्र बनाकर अपने परिवार के लोगों को बताइए।

झटपट कहिए

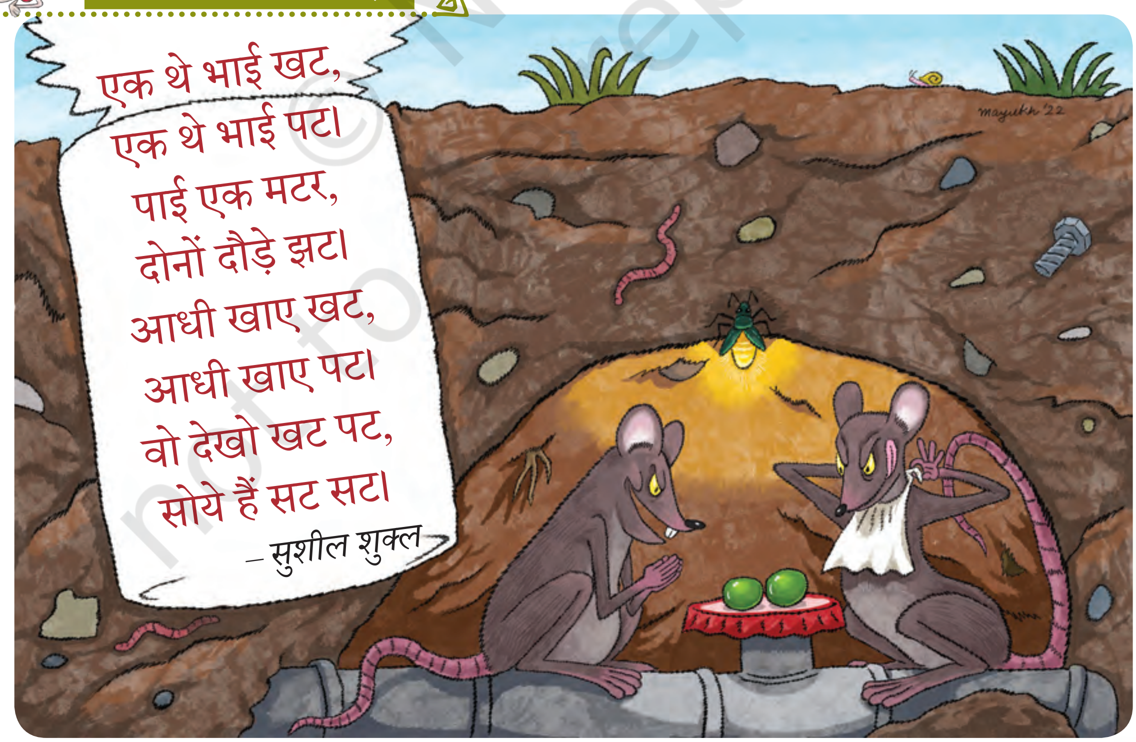

© NCERT not to be republished

मेरा गाँव

शिक्षण-संकेत – पोस्टर के विषय में चर्चा करें, जैसे– खेतों में कौन-कौन, क्या-क्या काम कर रहा है? खेत में मचान क्यों बनाई जाती होगी? आदि।

चित्रकारी

हमारी थाली तक रोटी कैसे पहुँचती है? चर्चा कीजिए और फिर इसे चित्रों द्वारा दिखाने का प्रयास कीजिए। चित्र बनाने के साथ-साथ कुछ शब्द भी लिखिए –

© NCERT not to be republished

11

मिलकर पढ़िए

भुट्टे

नीना के नाना बाज़ार गए। नाना खूब सारे भुट्टे लाए।

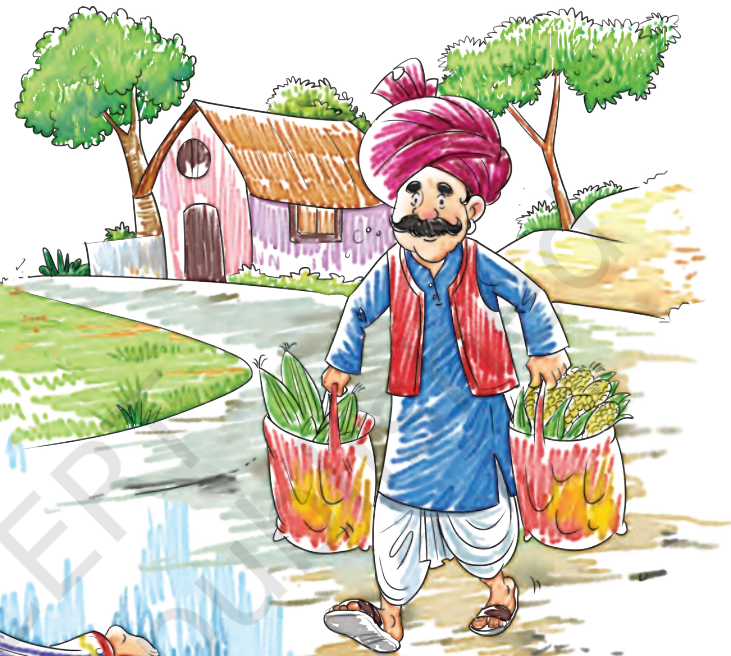

नाना ने नीना के लिए भुट्टे भूने।

नीना ने जी भरकर भुट्टे खाए।

नीना की नानी ने भुट्टे उबाले।

नाना और नानी ने जी
भरकर भुट्टे खाए।

नीना ने फिर क्या किया?
आगे की कहानी बनाइए और
अपनी भाषा में सुनाइए।

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ कहानी पर चर्चा करें, जैसे– नानीजी ने भुट्टे क्यों उबाले होंगे? नानाजी के थैलों में कितने भुट्टे होंगे? भुट्टे भूनते समय नीना क्या देख रही होगी? अगर कहानी में नीना का भाई और बहन भी होते, तो क्या होता आदि? बच्चों से कहें कि वे कहानी में भुट्टे की जगह मटर रखकर अपनी कहानी बनाएँ और कक्षा में सुनाएँ।

© NCERT not to be republished

प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. इस कहानी में कौन-कौन है? ....

2. नीना के नाना बाज़ार से क्या लाए? ....

3. तालिका में दी गई बातों के विषय में बताइए और कुछ वस्तुओं के नाम लिखने का प्रयास कीजिए –

आप किन-किन वस्तुओं को भूनकर खाते हैं?	आप किन-किन वस्तुओं को उबालकर खाते हैं?

कौन-कौन सी वस्तुएँ तलकर खाई जाती हैं?	कौन-कौन सी वस्तुएँ कच्ची खाई जाती हैं?

नीचे दिए गए शब्दों में 'उ'(ु) या 'ऊ'(ू) की मात्रा लगाकर सही शब्द लिखिए –

गेहँ

भाल

कल्फ़ी

दध

आल

भट्टा

© NCERT not to be republished

12

सुनें कहानी

फूली रोटी

जमाल की माँ रसोई में खाना बना रही थीं। जमाल माँ को देख रहा था। जमाल का मित्र जय बर्तनों के साथ खेल रहा था।

माँ रोटी बना रही थीं। जमाल भी रोटी बनाना चाहता था। उसने माँ से आटा माँगा। माँ ने उसे छोटी-सी लोई दे दी।

© NCERT not to be republished

जमाल रोटी बेलने लगा। उसने रोटी पर सूखा आटा लगाया। जमाल से रोटी गोल नहीं बन रही थी। रोटी गोल करने के लिए जय ने जमाल को कटोरी दी।

जमाल ने कटोरी रोटी पर रखकर घुमा दी। रोटी गोल हो गई। माँ ने जमाल की रोटी सेंक दी। जमाल की रोटी खूब फूली। जमाल और जय खुशी से रोटी खाने लगे।

साभार – बरखा क्रमिक पुस्तकमाला,
एन.सी.ई.आर.टी.

2024-25

बातचीत के लिए

1. जमाल ने माँ से लोई माँगने के बाद क्या-क्या किया?
2. आप रोटी को गोल बनाने के लिए क्या करेंगे?
3. 'फूली रोटी' की जगह पर यदि यह कहानी आपको 'फूली पूरी' के लिए बतानी हो, तो आप कैसे बताएँगे? छोटे समूह में चर्चा कीजिए और अपनी कक्षा में सुनाइए।

आनंदमयी कविता

शिक्षक की सहायता से कविता गाने और पढ़ने का आनंद लीजिए –

रोटी अगर गोल न बने

रोटी अगर गोल न बने,
बन जाए कहीं का नक्शा,
नक्शे को फिर कैसे तपाऊँ,
नक्शे को फिर कैसे पकाऊँ!
तो फिर इसका क्या करूँ,
गोल बना लूँ पृथ्वी जैसी,
या उस देश को डाक से भेजूँ,
बन गया है जहाँ का नक्शा?

– मनोज कुमार झा

© NCERT not to be republished

पढ़िए और मिलाइए

प्रश्नों और उनके उत्तरों को रेखा खींचकर जोड़िए –

रोटी कैसी बनी?	माँ ने
जय ने जमाल को क्या दिया?	गोल
माँ ने जमाल को क्या दिया?	कटोरी
रोटी किसने सेंकी?	लोई

पहेली

बंद रहेगा

1. घर के बाहर जब जाते हैं,
लटकाते दरवाज़े पर,
अगर नहीं खोलें हम इसको,
बंद रहेगा पूरा घर।

– श्रीप्रसाद

हम पढ़ते हैं

2. मेरे बस्ते के भीतर है,
और मेज़ पर धरी हुई,
हम पढ़ते हैं, तुम पढ़ते हो,
तस्वीरों से भरी हुई।

– श्रीप्रसाद

© NCERT not to be republished

शब्दों का खेल

1. **नीचे दिए गए शब्दों जैसे और शब्द बताइए। उन्हें लिखने का प्रयत्न कीजिए और पढ़कर सुनाइए –**

रोटी – ....

फूली – ....

आपने जो नए शब्द बनाए हैं, उन पर एक-एक वाक्य बनाइए –

....

....

2. **एक-सी ध्वनियों से आरंभ होने वाले शब्दों को पहचानकर घेरा लगाइए –**

जय	जमाल	बुलबुल	जीत
शरबत	शीला	वीर	शेर
डमरू	थैला	डफली	डोर
याद	यमुना	मछली	यशोदा

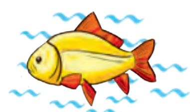

3. **अलग ध्वनि से अंत होने वाले शब्दों को पहचानकर लिखिए –**

रोटी छोटी चोटी गोल ....

जय लय भय साँप ....

4. **इस कहानी में जय और जमाल हैं। ऐसे और नाम बताइए जिसमें 'ज' अक्षर हो –**

....

शिक्षण-संकेत – उँगली रखकर शब्दों को पढ़ें। अलग ध्वनि की पहचान करने में बच्चों की सहायता करें। पूर्व अभ्यासों की तरह बच्चों को 'ज', 'ड', 'श', 'य' अक्षरों की ध्वनियों एवं आकृतियों से परिचित कराएँ। बच्चों से 'ज' की ध्वनि वाले शब्द और नाम बताने के लिए कहें। उन्हें बताएँ कि यह आवश्यक नहीं है कि नाम या शब्द 'ज' से ही आरंभ हो।

© NCERT not to be republished

झटपट कहिए

- कच्चा पापड़, पक्का पापड़।
- भालू को आलू भाया, भाया भालू को आलू।

देखिए और लिखिए

1. 'झ', 'ख', 'ड़', 'ऊ' की पहचान कीजिए और अक्षर लिखिए –

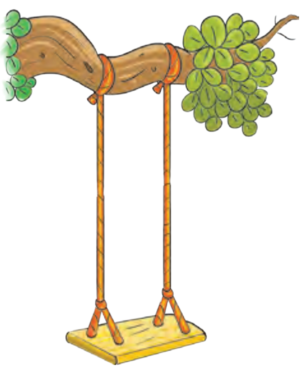

....

....

....

....

....

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – चित्रों के नाम पूछें और उनमें आए 'झ', 'ख', 'ड़', 'ऊ', अक्षरों की पहचान करने में सहायता करें।

दिए गए अक्षरों को खोजिए और घेरा लगाइए –

प

म	प	न
प	ह	फ

झ

झ	प	झ
स	झ	व

ड़

ड़	ठ	ड
इ	ड़	ढ़

ऊ

उ	झ	ऊ
ऊ	छ	उ

आइए, मिलकर बनाएँ और मिलकर खाएँ –

शिक्षक एक-एक कर नीचे दिए गए निर्देश देंगे। आप इन निर्देशों को ध्यान से सुनिए और बनाइए।

खाने की सामग्री – मुरमुरे, सेव (नमकीन), बारीक कटे हुए प्याज और टमाटर, मूँगफली, नमक आदि।

निर्देश –

1. सबसे पहले अपने हाथों को धो लें।
2. अब एक बड़ी कटोरी लें।
3. कटोरी में मुरमुरे, सेव (नमकीन), बारीक कटे हुए प्याज और टमाटर, मूँगफली आदि मिला लें।
4. उसमें स्वाद के अनुसार नमक मिला लें।
5. स्वाद भरी चाट तैयार है।

आइए, अब इस चाट को चखा जाए!

© NCERT not to be republished

रसोई

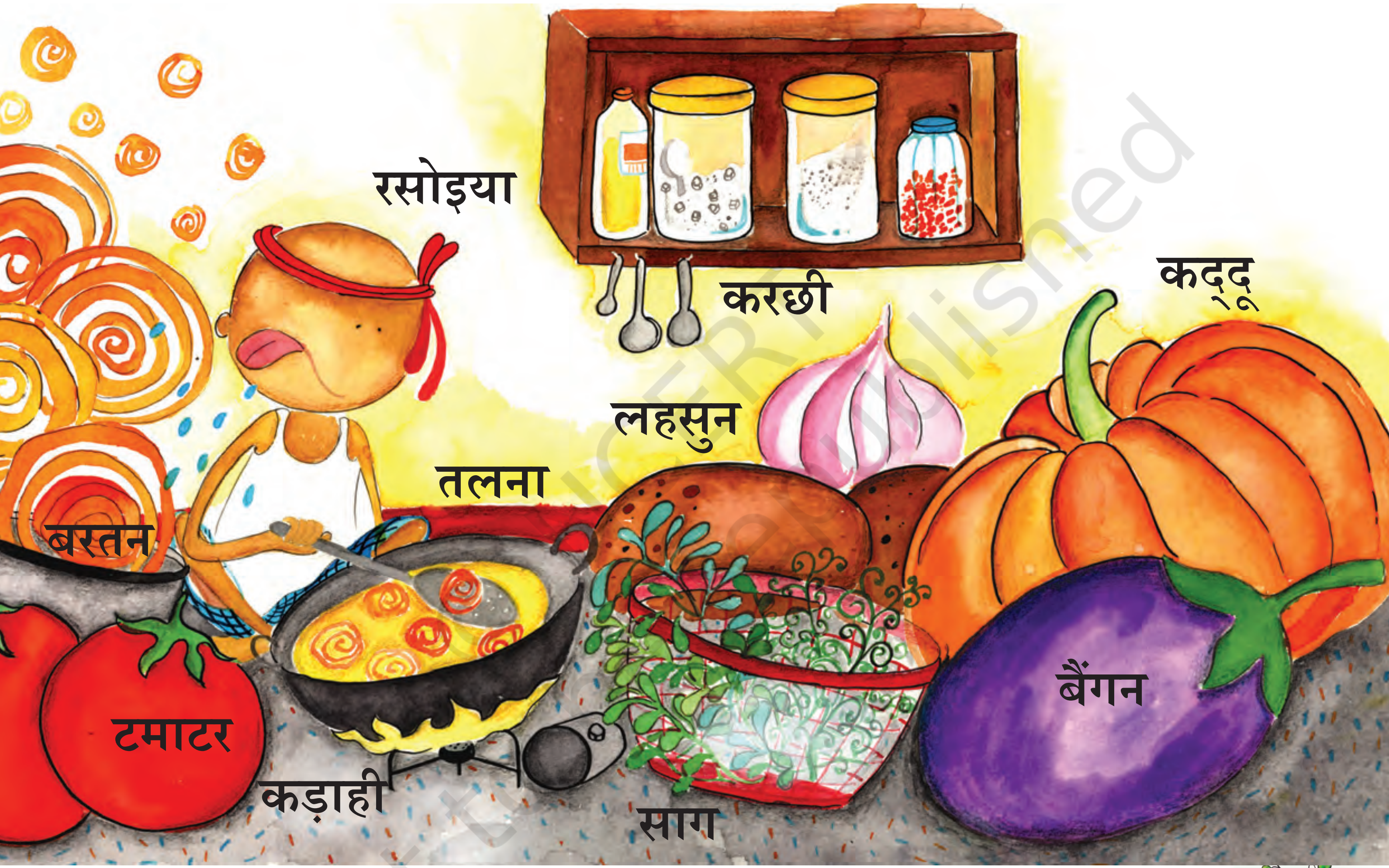

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ रसोई के चित्र के बारे में बातचीत करें। उनसे उनकी रसोई के बारे में भी पूछें। उन्हें रसोई में सबसे अच्छा क्या लगता है? अनुभव साझा करें और करवाएँ।